कला एवं संस्कृति मंत्री ने किया 'लोकरंग-2021' का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

16 दिसंबर, 2021 को राजस्थान के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी कल्ला ने जवाहर कला केंद्र (जेकेके) में लोक कलाकारों के उत्सव, 24वें 'लोकरंग-2021' का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस 11 दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेश सहित देशभर के 650 से अधिक लोक कलाकार अपने-अपने क्षेत्र की लोक कलाओं की खूबसूरती को प्रस्तुत करेंगे।
- यह समारोह आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत जेकेके, कला एवं संस्कृति विभाग और रुडा (ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।
- लोकरंग के शुभारंभ के साथ ही पहले दिन कार्यक्रम में कलाकारों ने गुजरात का गरबा रास, महाराष्ट्र का लावणी नृत्य (गणपति), गोवा का कुनबी, तमिलनाडु का डोलू कुनीथा, पश्चिम बंगाल का छऊ (महिसासुर वध), मध्य प्रदेश का बधाई-जवारा, उत्तर प्रदेश का धोबिया, बिहार का झिझिया, जोधपुर का लंगा गायन और चरी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।
- इसके साथ ही जेकेके के शिल्पग्राम में रुडा (ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण) के सहयोग से राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले की भी शुरुआत हुई। मेले का उद्घाटन कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी कल्ला ने किया।
- जेकेके के शिल्पग्राम में शहनाई-नगाड़ा, तीन ढोल, कठपुतली, भरतपुर का नट, अलगोजा नृत्य, बहुरूपिया, कालबेलिया और बम रसिया की प्रस्तुति हुई।
- मेले में देशभर के पुरस्कृत शिल्पियों द्वारा निर्मित कलात्मक हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जा रही है। विजिटर्स के लिये यह प्रदर्शनी 16 से 26 दिसंबर तक उपलब्ध रहेगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lokrang-2021